B.A. part II

Dr. Randhir Kr Singh
Dept of sociology
Patna College. P.U

Paper-IV

M- 9546991571.

TOPIC — Social Reconstruction By Comte's

कॉम्टे केवल सैद्धान्तिक चिन्तक ही नहीं थे। उनके चिन्तन का आधार व्यावहारिक भी है। कॉम्टे के समय में फ्रांस और औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप समाज यूरोप में पुराने सामाजिक मूल्यों का विघटन हो रहा था तथा नवीन सामाजिक मूल्यों का अभाव हो रहा था। ऐसी स्थिति में एक ऐसे समाज की रचना की आवश्यकता थी जिसमें नवीन सामाजिक मूल्यों की अधिकता है।

कॉम्टे ने सामाजिक आवश्यकताओं के अनुकूल सामाजिक पुनर्निर्माण की रचनात्मक योजना प्रस्तुत की। कॉम्टे को यह विश्वास था कि जब तक सामाजिक विचारधारा का वास्तविक आधार ज्ञात नहीं होगा तब तक सामाजिक पुनर्निर्माण की कोई योजना व्यावहारिक रूप से सफल नहीं हो सकती। कॉम्टे के अनुसार समाज का पुनर्निर्माण केवल ज्ञान के आधार पर ही सम्भव हो सकता है और ज्ञान केवल प्रत्यक्षवादी सिद्धान्तों द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है। सामाजिक पुनर्निर्माण का कार्य बौद्धिक और नैतिक एकता के आधार पर होना चाहिए और पुनः इस एकता की उपलब्धि ज्ञान से ही सम्भव है।

Main Basis of Reconstruction → ये सामाजिक ~~पुन~~ पुनर्निर्माण की मुख्य आधार थे।

(A) सामाजिक पुनर्गठन बौद्धिक तथा नैतिक एकता पर ही आधारित होना चाहिए।

(B) प्रत्यक्षवाद का सिद्धान्त सामाजिक पुनर्गठन का आधार होना जा सकता है।

(C) सामाजिक एकता की उपलब्धि के लिए ज्ञान ही एकमात्र आधार है।

Conti →

(D) समाज में पुनर्गठन का आधार धर्मसत्ता पर निर्भर है।

(E) प्रेम के आधार पर समाज का संगठन निर्भर है।

(F) शिक्षा के द्वारा प्रत्यक्षवादी समाज का पुनर्गठन किया जा सकता है।

(G) समाज के पुनर्गठन का नैतिक आधार यह है कि हमें दूसरों के लिए जीवित रहना चाहिए।

Need for Recontruction →

श्री कॉम्टे ने सामाजिक पुनर्निर्माण की योजना क्यों बनाई? श्री कॉम्टे को निम्न कारणों से सामाजिक पुनर्निर्माण की आवश्यकता का अनुभव हुआ।

1. समाज - यूरोप का तत्कालिक समाज अस्त व्यस्त हो गया था। सामाजिक संगठन टूट गया था। फ्रांस की क्रांति में अनेक सामाजिक समस्याएँ विकसित हो गई थी। इन समस्याओं के समाधान हेतु पुनर्निर्माण की आवश्यकता अनुभव हुआ।

2. उस समय पूँजीवादी व्यवस्था श्रमिकों के शोषण पर आधारित थी। वह पूँजीवाद का विरोध तो नहीं करता था, किन्तु वितरण में समानता चाहता था। अतः समानता के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कॉम्टे ने सामाजिक पुनर्निर्माण को आवश्यक समझा।

3. कॉम्टे ने अनुभव किया कि तत्कालिक समाज में धार्मिक और नैतिक आधार व्यवस्था का अभाव है। इन कमी को दूर करने के लिए भी समाज का पुनर्निर्माण आवश्यक था।

4. कॉम्टे श्रमिकों को शोषण से मुक्त करना चाहते थे साथ ही वह उनकी भौतिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नति भी करना चाहते थे। इसके लिये भी उन्होंने सामाजिक पुनर्निर्माण की योजना बनाई।

5. कॉम्टे ने नैतिकता को सर्वोच्च स्थान प्रदान की थी। वे चाहते थे की समाज में कुछ नैतिक नियम हों। सामाजिक पुनर्निर्माण की योजना के द्वारा वे नैतिक नियमों का संगठन करना चाहते थे।

6. कॉम्टे जानते थे कि औद्योगिकरण के परिणाम स्वरूप श्रेणी समाज का विकास होगा, उनमें दो वर्ग स्पष्ट रूप से उभर कर आयेंगे और उनमें संघर्ष अनिवार्य हो जायेगा। वे सामाजिक पुनर्निर्माण की योजना के द्वारा वर्ग संघर्ष को समाप्त करना चाहते थे।

Conti—

Basis of the success of social Reconstruction →

पुनर्निर्माण की सफलता के लिये तीन प्रकार की सामाजिक शक्तियों का सामंजस्य होना आवश्यक है।

(A) Material Force → यह शक्ति कर्म पर आधारित है मनुष्य के परिश्रम तथा क्रियाशीलता के परिणाम स्वरूप इस शक्ति का विकास होता है। यह सामाजिक शक्ति, सेना, और सम्पत्ति के द्वारा स्पष्ट होती है।

(B) Intellectual Force — इस शक्ति का विकास विवेक और चिन्तन द्वारा होता है। मानवीय चिन्तन के फल स्वरूप विभिन्न अवधारणाओं में शक्ति की अभिव्यक्ति होती है।

(C) Moral Force → नैतिक शक्ति प्रेम पर आधारित होती है। यह हृदय से प्रेरित होती है। आज्ञा देने और आज्ञा पालन करने में नैतिक शक्ति की अभिव्यक्ति होती है।

इस प्रकार उक्त तीनों प्रकार की शक्तियों में समन्वय होने पर समाज में पुनर्निर्माण की योजना सफल हो सकती है।

Social Class → कॉम्टे ने इसी सिद्धान्त पर समाज को तीन वर्गों का यह वर्णन किया है। ये वर्ग हैं - पुरोहित वर्ग, स्त्री वर्ग तथा नेता वर्ग।

पुरोहित वर्ग का कार्य सामाजिक उन्नति के बारे में कार्य करना है। उनके लिये योजना बनाना भी है।

स्त्री वर्ग का कार्य समाज में पारस्परिक स्नेह व प्रेम की उत्पत्ति करना है।

नेता वर्ग का कार्य युद्ध और उद्योग में समाज की क्रिया का निर्देशन करना है। कॉम्टे के अनुसार समाज के इन तीनों वर्गों में भी ~~सामंजस्य~~ सामंजस्य होना सामाजिक पुनर्गठन का प्रतीक है।

Conclusion → कॉम्टे के प्रत्यक्षवादी सिद्धान्त पर सामाजिक पुनर्निर्माण की योजना प्रस्तुत की जो नैतिकता तथा धर्म एवं तीन प्रकार की शक्तियों पर आधारित है।

—— X ——